

---

# Shri Divakaracharya Ashtakam

---

## श्रीदिवाकराचार्याष्टकम्

---

### Document Information

---

Text title : Shri Divakaracharya Ashtakam

File name : divAkarAchAryAShTakam.itx

Category : deities\_misc, rAmAnanda, aShTaka, gurudev

Location : doc\_deities\_misc

Transliterated by : Mrityunjay Pandey

Proofread by : Mrityunjay Pandey

Description/comments : From Chatuh Sampradaya Dig-Darshanm

Latest update : December 8, 2023

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

December 8, 2023

*sanskritdocuments.org*

---

श्रीदिवाकराचार्याष्टकम्



आनन्दभाष्यसिद्धान्तदातारं ज्ञानिनं मुनिम् ।  
वन्दे दिवाकराचार्यं द्वाराचार्यं जगद्गुरुम् ॥ १ ॥

रामानन्दीयधर्मस्य रक्षकं चाभिवर्धकम् ।  
वन्दे दिवाकराचार्यं द्वाराचार्यं जगद्गुरुम् ॥ २ ॥

आशिषो रामभक्तेश्च दानेन भुक्तिमुक्तिदम् ।  
वन्दे दिवाकराचार्यं द्वाराचार्यं जगद्गुरुम् ॥ ३ ॥

मन्त्रार्थदानकर्तारं मन्त्राणामर्थवेदिनम् ।  
वन्दे दिवाकराचार्यं द्वाराचार्यं जगद्गुरुम् ॥ ४ ॥

रामायणकथासक्तं रामाराधनतत्परम् ।  
वन्दे दिवाकराचार्यं द्वाराचार्यं जगद्गुरुम् ॥ ५ ॥

अवैष्णवान् निराकृत्य वैष्णवधर्मबोधकम् ।  
वन्दे दिवाकराचार्यं द्वाराचार्यं जगद्गुरुम् ॥ ६ ॥

सेवितं सिद्धयोगीन्द्रैर्महासिद्धं तपोनिधिम् ।  
वन्दे दिवाकराचार्यं द्वाराचार्यं जगद्गुरुम् ॥ ७ ॥

माहात्म्यवेदिनं चाथ संस्काराणां विधायकम् ।  
वन्दे दिवाकराचार्यं द्वाराचार्यं जगद्गुरुम् ॥ ८ ॥

इति श्रीदिवाकराचार्याष्टकं सम्पूर्णम् ।

Encoded and proofread by Mrityunjay Pandey

pdf was typeset on December 8, 2023

——  
Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

